Dr. Akhlaque Ahmad

प्लेटो के साम्यवाद तथा आधुनिक साम्यवाद में अन्तर / तुलना

समानताएं : (1) दोनों ने राज्य को सर्वोपरि और व्यक्ति को गौण माना है। अतएव दोनों ने व्यक्ति के हितों की अपेक्षा राज्य के हितों पर जोर दिया है।

(2) दोनों ही सामाजिक हित में ही व्यक्ति का हित समझते हैं।

(3) दोनों साम्यवाद शिक्षा को परिवर्तन का माध्यम बनाते हैं

(4) दोनों साम्यवादों का लक्ष्य अपने-अपने ढंग से न्याय की स्थापना करना है

(5) दोनों एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जहाँ शोषण, संघर्ष और कलह की जगह सहयोग, भ्रातृत्व, प्रेम और सौहार्द का वातावरण हो।

(6) दोनों ही विभिन्न वर्गों के बीच आर्थिक प्रतिद्वन्द्विता को समाप्त करना चाहते हैं

(7) दोनों ही नयी सामाजिक व्यवस्था की स्थापना के लिए व्यक्ति पर नियंत्रण लगाते हैं।

(8) दोनों ही व्यक्तिगत सम्पत्ति को बुराइयों का स्रोत मानते हैं इसलिए उसका अंत करना चाहते हैं।

असमानताएँ : दार्शनिक अंतर : (1) प्लेटो का साम्यवाद आदर्शवादी और नैतिक है आधुनिक साम्यवाद भौतिकवादी है।

(2) प्लेटो के अनुसार अंतिम सत्य शिव का विचार है आधुनिक साम्यवाद के संस्थापक मार्क्स के अनुसार अंतिम सत्य भौतिक पदार्थ है।

(3) दोनों ही द्वन्द्वात्मकता में विश्वास करते हैं किन्तु प्लेटो के द्वन्द्वात्मक का उद्देश्य सत्य का दर्शन करना है वहीं मार्क्स के द्वन्द्वात्मक

Scanned with CamScanner

का उद्देश्य एक वर्ग-विहीन समाज की स्थापना करना है।

(4) प्लेटो और मार्क्स दोनों ही न्याय के सिद्धान्त में विश्वास करते हैं किन्तु प्लेटो के अनुसार न्याय का अर्थ अपने स्वभाव के अनुरूप कार्यों का संपादन करना है जबकि मार्क्स के अनुसार न्याय का अर्थ अपने किये हुए कार्य के अनुपात में पारिश्रमिक पाना है। इस प्रकार प्लेटो का न्याय मनुष्य के कर्तव्य पर जोर देता है वहाँ मार्क्स का न्याय अधिकार की बात करता है।

(5) प्लेटो का साम्यवाद निषेधात्मक है जबकि आधुनिक साम्यवाद विधेयात्मक (Positive) है। प्लेटो भौतिक सम्पदा को कर्तव्य के मार्ग में बाधक समझता है और इसलिए अपने आदर्श राज्य के संरक्षक वर्ग को सम्पत्ति से वंचित रखता है। इसके विपरीत आ० साम्यवाद भौतिक वस्तुओं के महत्व को स्वीकार करता है और उनके न्यायपूर्ण वितरण पर जोर देता है।

(6) प्लेटो आत्मज्ञान, दर्शन एवं राज्य नियंत्रित शिक्षा व्यवस्था के द्वारा साम्यवाद की स्थापना करना चाहता है जबकि मार्क्स वर्ग संघर्ष के माध्यम से साम्यवाद की स्थापना करना चाहता है। ~~प्लेटो~~

(7) प्लेटो वर्ग सामंजस्य पर जोर देता है जबकि मार्क्स वर्ग संघर्ष पर

(8) प्लेटो दर्शन को विज्ञान से श्रेष्ठ समझता है, मार्क्स विज्ञान को दर्शन से श्रेष्ठ मानता है।

<u>ऐतिहासिक अंतर</u>: (1) आधुनिक साम्यवाद इतिहास की आर्थिक व्याख्या पर आधारित है, प्लेटो इतिहास की तार्किक व्याख्या करता है।

(2) प्लेटो की योजना चौथी सदी ई०पूर्व एथेन्स की परिस्थिति का परिणाम है जबकि आ० साम्यवाद 19वीं सदी की औद्योगिक क्रांति का परिणाम है।

राजनीतिक अंतर : (1) प्लेटो अपनी साम्यवादी योजना के द्वारा राजनीतिक शक्ति को आर्थिक शक्ति को पूर्णतः पृथक करना चाहता है। इसके विपरीत आधुनिक साम्यवाद राजनीतिक और आर्थिक शक्तियों का सम्मिश्रण करना चाहता है।

(2) प्लेटो का साम्यवाद नगर-राज्य पर आधार होता है जबकि आधुनिक साम्यवाद का स्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय है।

(3) प्लेटो का साम्यवाद राज्य की सत्ता पर जोर देता है, आधुनिक साम्यवाद का अंतिम उद्देश्य राज्य को मिटाना है।

(4) प्लेटो का साम्यवाद मनुष्य की असमानता पर आधारित है इसलिए वह एक श्रेणीबद्ध सामाजिक संगठन की योजना प्रस्तुत करता है। इसके विपरीत आधुनिक साम्यवाद मानव समानता के सिद्धान्त पर आधारित है। इसका उद्देश्य श्रेणीबद्ध सामाजिक संगठन को समाप्त कर एक वर्ग विहीन समाज की व्यवस्था करना है।

(5) प्लेटो के साम्यवाद का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक है परंतु आधुनिक साम्यवाद का प्रधान लक्ष्य आर्थिक है। प्लेटो राजनीतिक भ्रष्टाचार और कुशासन को दूर करने के लिए साम्यवाद की योजना प्रस्तुत करता है जबकि मार्क्स पूँजीवादी व्यवस्था से उत्पन्न आर्थिक वैषम्य को दूर करने के लिए अपनी योजना प्रस्तुत करता है।

(6) प्लेटो का साम्यवाद तपस्यात्मक है, इसका स्वरूप अभिजात-वर्गीय है जो सिर्फ उत्तम वर्गों पर लागू होता है। यह सम्पूर्ण समाज के लिए नहीं है परंतु सम्पूर्ण समाज के लिए नहीं है। इसके विपरीत आधुनिक साम्यवाद न तपस्यात्मक है और न

4.

अभिधानवर्गीय । यह सभी वर्गों पर लागू होता है।

आर्थिक अंतर : (1) प्लेटो का साम्यवाद उत्पादन की वैयक्तिक प्रथा का उन्मूलन नहीं करता जबकि आधुनिक साम्यवाद आर्थिक क्षेत्र में व्यक्तिगत प्रयास का विरोधी है और उत्पादन तथा वितरण पर समाज के स्वामित्व पर बल देता है।

(2) आधुनिक साम्यवाद आर्थिक विषमता को दूर करने एवं सम्पत्ति के समान वितरण पर जोर देता है। ~~प्लेटो सम्पत्ति के समान~~ वितरण की चर्चा नहीं करता है।

(3) प्लेटो उत्पादक वर्ग को भौतिक सम्पत्ति का अधिकार देता है जबकि आधुनिक साम्यवाद पूर्ण रूप से व्यक्तिगत सम्पत्ति का उन्मूलन करता है।

(4) प्लेटो का साम्यवाद कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था पर आधारित है जबकि आधुनिक साम्यवाद उद्योग प्रधान अर्थव्यवस्था पर

सामाजिक अंतर : (1) प्लेटो का साम्यवाद समाज के केवल दो वर्गों पर लागू होता है, आधुनिक साम्यवाद समाज के सभी वर्गों पर।

(2) प्लेटो ने सम्पत्ति के साम्यवाद के साथ-साथ स्त्रियों के साम्यवाद की भी योजना प्रस्तुत की है। परंतु आधुनिक साम्यवाद न तो स्त्रियों के साम्यवाद की योजना प्रस्तुत करता है और न पारिवारिक व्यवस्था को ही मिटाना चाहता है।

(3) प्लेटो वर्ग विहीन समाज की स्थापना नहीं करना चाहता जबकि आधुनिक साम्यवाद वर्गविहीन समाज की स्थापना करना चाहता है।

Dr. Akhlakh Ahmad
(Asst. Prof)
D. K. College, Dumraon.